आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर
दिनांक : 29.11.2024
समय : 0705
<><><><><><><><>

1. जिला बाल संरक्षण इकाई की ओर से दत्तक ग्रहण और अन्य बाल संरक्षण कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

2. परिवहन निदेशक डॉ. जतिन्दर सोहल ने कल श्री विजयपुरम बस अड्डे का दौरा किया।

3. लिटिल अंडमान के सामुदायिक विकास खण्ड की ओर से एक ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

4. खेल एवं युवा मामले विभाग की ओर से स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न खेलों के लिए कोचिंग कक्षाएं आयोजित की जाएगी।

<><><><><><><><>

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण द्वारा हर वर्ष नवंबर माह को दत्तक ग्रहण जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। मिशन वात्सल्य योजना के तहत दत्तक ग्रहण की भूमिका के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। इस सिलसिले में, कल आई.सी.डी.एस. प्रशिक्षण केंद्र, अट्टम पहाड़ में दक्षिण अंडमान के जिला प्रशासन के तहत जिला बाल संरक्षण इकाई ने स्वास्थ्य सेवा निदेशालय और बाल विकास परियोजना कार्यालय–शहरी के सहयोग से दत्तक ग्रहण और अन्य बाल संरक्षण कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सत्र न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी और किशोर न्याय बोर्ड के प्रधान मजिस्ट्रेट न्यायाधीश अनुपम सिरकार मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में उन्होंने भारत में गोद लेने को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे पर जानकारी प्रदान की, जिसमें किशोर न्याय अधिनियम दो हजार पन्द्रह, हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण–पोषण अधिनियम और अभिभावक और वार्ड अधिनियम शामिल हैं। कार्यक्रम में स्वास्थ्य उप निदेशक डॉ. अविजित रॉय ने गोद लेने के लिए उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। बाल विकास परियोजना अधिकारी–शहरी जरीना ने बाल विवाह के ज्वलंत मुद्दे पर चर्चा की, जबकि मिशन वात्सल्य के नोडल अधिकारी ए.के. बिस्वास ने राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी के रूप में समाज कल्याण निदेशालय की भूमिका पर विस्तार से बताया।

एनआईसी के संरक्षण अधिकारी ने पावर प्वाइंट के माध्यम से प्रतिभागियों को गोद लेने के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी देते हुए कारा के तहत केयरिंग्स पोर्टल पर गोद लेने के सभी प्रकार के अनिवार्य

पंजीकरण के बारे में बताया। कार्यक्रम का उद्देश्य दत्तक ग्रहण विनियम दो हजार बाईस के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इसके अलावा चर्चा में बच्चों को गोद लेने के लिए सौंपने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के अंत में आदान प्रदान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी शंकाओं का समाधान करते हुए अनुभव साझा किए, और अधिक जानकारी के लिए दक्षिण अंडमान के जिला बाल संरक्षण इकाई से संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम में सहायक नर्स दाइयों, सार्वजनिक स्वास्थ्य नर्सों और आई.सी.डी. एस. के कर्मियों ने भाग लिया।

<><><><><><><><>

परिवहन निदेशक डॉ. जतिन्दर सोहल ने यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का आकंलन करने के लिए अन्य अधिकारियों के साथ कल श्री विजयपुरम बस अड्डे का दौरा किया और यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया। बसो की स्थिति, बस टर्मिनल के अंदर पार्किंग एवं संचालन व्यवस्था, यात्रियों के लिए सुविधाएं, पेय जल की उपलब्धता, शौचालय की सुविधा आदि का निरीक्षण किया। बसों का समय पर फिटनस सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। बस अड्डे में स्वच्छता बनाए रखने का भी निर्देश दिया। परिसर में सडको की खराब स्थिति के संबंध में अण्डमान लोक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं को तेजी से काम पूरा करने के लिए कहा गया। परिहवन निदेशक ने केन्द्रीय वर्क शॉप का भी दौरा कर सभी संबंधित कर्मचारियों को बसों में समय पर रख–रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परिवहन निदेशक ने बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों से भी बातचीत की और उनकी शिकायतों को सुनने के बाद उनकी शिकायतों के त्वरित निवरण के लिए मौके पर ही निर्देश जारी किए।

<><><><><><><><>

एन सी सी दिवस के एक भाग के रूप में अंडमान निकोबार एन सी सी इकाई द्वारा हाल ही में जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं में निस्वार्थ सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को जागृत करना था। इसके अलावा जीवन रक्षा में रक्तदान के महत्व पर भी जोर दिया गया। इस शिविर में सेना और नौसेना इकाई के वरिष्ठ कैडेटों ने भी भाग लिया।

<><><><><><><><>

लिटिल अंडमान के सामुदायिक विकास खण्ड की ओर से कल पंचायत समिति हॉल में 'बाल सभाओं के माध्यम से बच्चों की जरूरतों को पूरा करना' पर एक ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत आयोजित इस पहल का उद्देश्य स्कूली छात्रों, पंचायत पदाधिकारियों, बाल संरक्षण समिति और शिक्षकों सहित स्थानीय अधिकारियों को लाभान्वित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन पंचायत

समिति प्रमुख एस. परमनाथन ने किया। खंड विकास अधिकारी बेल्थेजर ने प्रतिभागियों के लिए प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

<><><><><><><><>

वक्फ बोर्ड मे तीसरे सदस्य की नियुक्ति के लिए द्वीपों के मुस्लिम समुदाय के लोगों से आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन जमा करने की तिथि तीस दिनों के लिए और बढ़ा दी गई है। आवेदनकर्ता को मुस्लिम कानून और न्याय की जानकारी होनी चाहिए और वह राज्य सरकार का अधिकारी नहीं होना चाहिए। यह नियुक्ति तीन वर्ष के लिए होगी। बायोडाटा के साथ आवेदन फार्म वक्फ बोर्ड के सहायक सचिव के पास जमा करना होगा।

<><><><><><><><>

चाथम पुलिस टीम ने आपराधिक विश्वासघात और सोने को धोखाधड़ी से गिरवी रखने के मामले में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। तीस जून को अनारकली निवासी वी. सुमति ने अपने देवर पी. के. मुरूगेशन के खिलाफ चाथम थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि मुरूगेशन ने बिना उसकी सहमति के उनके गहने गिरवी रख दिए और पैसे लेकर भाग गया। फोन की ट्रैकिंग और स्थानीय खुफिया जानकारी के माध्यम से पता चला कि आरोपी इस महीने श्री विजयपुरम अपने परिवार के सदस्यों से मिलने आएगा। सूचना मिलते ही तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने कल हवाई अड्डे से आरोपी को पकड़ लिया

<><><><><><><><>

खेल एवं युवा मामले विभाग की ओर से स्कूली बच्चों के लिए बैडमिन्टन, साइक्लिंग, फुटबॉल, हॉकी और वॉलीबॉल के लिए कोचिंग कक्षाएं आयोजित की जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी नेताजी स्टेडियम में आज से छः दिसम्बर के बीच अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

<><><><><><><><>

दक्षिण अंडमान के ज़िला उपायुक्त कार्यालय में कानूनी सह परिवीक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, सहायक डेटा एन्ट्री ऑपरेटर और अकाउंटेंट के पदों पर होने वाली नियुक्तियों को प्रशासनिक कारणों से रद्द कर दिया गया है।

इस बीच, अनुबंध के आधार पर इन सभी पदों के लिए नए आवेदन आज से छः दिसम्बर तक स्वीकार किए जाएंगे। दस्तावेजों की जांच नौ दिसम्बर को सुबह दस बजे ज़िला उपायुक्त कार्यालय के स्थापना अनुभाग में किया जाएगा। कानूनी सह परिवीक्षा अधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता के पद के लिए सीधा साक्षात्कार बारह दिसम्बर को और सहायक डेटा एन्ट्री ऑपरेटर तथा अकाउंटेंट के पद के लिए तेरह दिसम्बर को सुबह नौ बजे से दक्षिण अंडमान ज़िला कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में लिया जाएगा।

<><><><><><><><>

क्यारी के पशु विज्ञान प्रभाग वैज्ञानिक तरीके से बकरी पालन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो से छः दिसम्बर तक चलेगा। इसमें विशेषज्ञ बकरियों के स्वास्थ्य प्रबंधन, प्रजनन, पोषण और आवास सहित आधुनिक बकरी पालन पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इच्छुक प्रतिभागी पंजीकरण और विवरण के लिए पशु विज्ञान प्रभाग के प्रमुख से मेल के जरिए संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><><>